कोटद्वार, शनिवार
2 दिसम्बर 2023
वर्षः 45
अंकः 213 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

वेद ऋचाओं से गूंजा सिद्धों का डांडा, वार्षिक अनुष्ठान का शुभारंभ

श्री सिद्धबली वार्षिक अनुष्ठान में पूजा-अर्चना करते महंत दिलीप रावत व अन्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार में आस्था का महाकुंभ श्री सिद्धबली वार्षिक अनुष्ठान मेला आरंभ हो गया है। इसके साथ ही सिद्धों का डांडा वेद ऋचाओं से गूंजने लगा है। तीन दिवसीय अनुष्ठान पर्व के अंतर्गत विभिन्न धार्मिक गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। मेले को देखते हुए मंदिर को लाइटों और फूलों से सजाया गया है।

मेले के प्रथम दिवस पर शुक्रवार को सर्वप्रथम प्रातः पांच बजे पिंडी महाभिषेक किया गया। इसके बाद कन्याओं ने खोह नदी से जल कलश लेकर यज्ञशाला तक कलश यात्रा निकाली। जल से सिद्धबली बाबा के महाभिषेक के बाद सिद्धों का डांडा में सिद्धबाबा की ध्वज पताका फहराई गई।

तत्पश्चात पंडित देवी प्रसाद भट्ट के नेतृत्व में एकादशीय कुंडीय यज्ञ किया गया। यज्ञ में प्रथम दिवस की आहुतियों के उपरांत सुंदर कांड का पाठ किया गया। शाम को बाबा की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में आकर्षक झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर मंदिर महंत दिलीप रावत, मंदिर समिति अध्यक्ष जेपी ध्यानी, राजदीप माहेश्वरी, गौरव भाटिया, विवेक अग्रवाल, दीपू पोखरियाल और प्रमोद रावत आदि मौजूद थे।

आज का कार्यक्रम

मेले में आज दूसरे दिन शनिवार को प्रातः पिंडी अभिषेक के बाद एकादश कुंडीय यज्ञ होगा। तत्पश्चात दोपहर बारह बजे से लोक गायिका हेमा करासी भजनों के माध्यम से बाबा का गुणगान करेंगी।

उत्तराखंड निवेशकों के लिए सबसे बेहतर स्थानः धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि कानून व्यवस्था के लिहाज से उत्तराखंड देश के सबसे सुरक्षित राज्यों में से एक है और निवेश के लिए यह सर्वाधिक मुफीद है। उन्होंने कहा कि इन्वेस्टर्स समिट के मद्देनजर अब तक दो लाख करोड़ के करार हो चुके हैं। सहस्त्रधारा रोड स्थित होटल में शुक्रवार को आयोजित सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स मीट में सीएम धामी ने कहा कि वर्तमान परिपेक्ष्य में इंफ्लुएंसर्स की बड़ी भूमिका है। उत्तराखंड तेजी से एक उभरता हुआ डेस्टिनेशन देश-दुनिया के लोगों के लिए बन रहा है। हमारे यहां चारधामों से लेकर अनेक देवस्थान हैं। धामी ने कहा कि राज्य सरकार का ज्यादा से ज्यादा फोकस रोजगार सृजन पर है। इसी के मद्देनजर आठ-नौ दिसंबर को दून में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन होने जा रहा है। समिट में अभी लगभग एक सप्ताह का समय हैं। उन्होंने सभी का आह्वान किया कि अपने माध्यम से वे देश-दुनिया में इस आयोजन का प्रचार प्रसार करें ताकि डेस्टिनेशन उत्तराखंड, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट सब जगह ट्रेंड हो जाए। उन्होंने कहा कि मेरा ऐसा मानना है कि इस दुनिया में जो कुछ होता है वह प्रभु की इच्छा से होता है और किसी न किसी माध्यम से हम सब जुड़ जाते हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप लोग उत्तराखंड की बात, उत्तराखंड की विशेषता को प्रमुखता से रखेंगे। यहां की तमाम विशेषताएं आप सभी के माध्यम से दुनिया को पता लगेगी। इससे पहले उन्होंने इंफ्लुएंसर्स के साथ संवाद किया। मुख्यमंत्री ने इंफ्लुएंसर्स के सवालों के एक-एक कर जवाब दिए। इस दौरान अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव शैलेश बगोली, सचिव विनय शंकर पांडेय, सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी आदि मौजूद रहे।

IHMS KOTDWAR
Institute of Hospitality, Management & Sciences
"Journey Towards Excellence"
17 Years of Excellence in Education
ESTD. 2006
Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Sri Dev Suman Uttarakhand University, Hemwati Nandan Bahuguna Garhwal University (A Central University)
Approved By: All India Council of Technical Education (AICTE), Government of Uttarakhand and Ministry of Education
Admissions Open 2024-25
LIMITED SEATS
CHM
(CERTIFICATE IN HOTEL MANAGEMENT)
WINTER BATCH
Admissions Start For (January 2024)
JOB OPPORTUNITIES
RAMADA · THE FERN · CROWNE PLAZA · JAYPEE HOTELS & RESORTS · COUNTRY · COURTYARD AHMEDABAD · SAYAJI · WELCOMHOTEL · PRIDE · HYATT · TAJ · Marriott HOTELS & RESORTS · RAFFLES
PROGRAMMES AVAILABLE
M.B.A. 2 Years | M.C.A 2 Years | B.H.M. 4 Years | B.B.A. 3 Years | B.C.A. 3 Years | B.Sc. IT 3 Years | C.H.M. 1 Year
Mob.: 7902000023, 8057726863
Balbhadrapur, B.E.L. Road, Kotdwar-246149(UK)
Email:Info@ihms.ac.in, ihmskotdwar1@gmail.com | Web: www.ihms.ac.in

नागालैंड के राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राजभवन में हुआ कार्यक्रम

दूसरे राज्यों के स्थापना दिवस मनाने से सामाजिक एकीकरण और सांस्कृतिक आदान–प्रदान को बढ़ावा मिल रहा है: राज्यपाल

संवाददाता

देहरादून। शुक्रवार को राजभवन में नागालैंड प्रदेश के राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तराखण्ड में निवास कर रहे नागालैंड राज्य के लोगों ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए उपस्थित लोगों को स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि दूसरे राज्यों के स्थापना दिवस मनाने से सामाजिक एकीकरण और सांस्कृतिक आदान–प्रदान को बढ़ावा मिल रहा है।राज्यपाल ने कहा कि नागालैंड से उनका पुराना नाता रहा है, एक सैन्य

अधिकारी के रूप में वे नागालैंड में भी सेवा दे चुके हैं। उन्हें वहां का वातावरण और नागालैंड के लोगों के अपनत्व से बेहद लगाव रहा है। राज्यपाल ने कहा कि 'सेवन सिस्टर्स' भारत में पर्यटन के सबसे बड़े आकर्षणों में से एक हैं और नागालैंड इसका एक प्रमुख हिस्सा है। यह राज्य पक्षियों और जानवरों की कुछ लुप्तप्राय प्रजातियों का निवास स्थान है, नागालैंड तो 'दुनिया की बाज़ राजधानी) के रूप में जाना जाता है।

उन्होंने कहा कि नागालैंड दिवस की बात बिना हार्नबिल फेस्टिवल के अधूरी रहेगी, ी२३५ं’ ड्डत्रीी२३५ं’२ के नाम से विख्यात यह महोत्सव इसे हार्नबिल चिड़िया के नाम पर मिला है। इस चिड़िया को नागा जनजाति में पवित्र माना जाता है व नागाओं की पौराणिक कथाओं में इसका जिक्रभी मिलता है।

राज्यपाल ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के तहत आयोजित नागालैंड राज्य स्थापना दिवस उत्तराखण्ड राजभवन में नागालैंड वासियों के साथ मनाने का अवसर मिला।

उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की ही तरह, आपके राज्य का भी अधिकतर हिस्सा पहाड़ी है, और बड़े गर्व की बात है कि वनस्पतियों और जीवों की समृद्धता को देखते हुए इसे 'पूरब का स्विट्जरलैंड' भी कहा जाता है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने नागालैंड की रानी लक्ष्मीबाई के रूप से विख्यात, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रानी गाइदिन्ल्यू जी को भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस कार्यक्रम में प्रथम महिला गुरमीत कौर, सचिवराज्यपाल रविनाथ रामन, वित्त नियंत्रक डॉ तृप्ति श्रीवास्तव, राजभवन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीजीपी की ताजपोशी के एक दिन बाद भेजा पैनल

देहरादून(सं)। कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक की ताजपोशी के एक दिन बाद, प्रदेश सरकार ने पूर्णकालिक डीजीपी तय करने के लिए अर्ह अधिकारियों का पैनल संघ लोक सेवा आयोग को भेज दिया है। इसमें डीजीपी अभिनव कुमार के साथ ही सभी एडीजी के नाम शामिल हैं। प्रदेश के निवर्तमान डीजीपी अशोक कुमार बीते गुरुवार 30 नवंबर का ही सेवा निवृत्त हुए हैं। तय प्रक्रिया के मुताबिक इससे पहले सरकार को डीजीपी तय करने के लिए पैनल बनाकर संघ लोक सेवा आयोग के पास भेजना था। लेकिन इस मामले में सरकार ने पैनल भेजने से पहले कार्यवाहक डीजीपी की तैनाती करना बेहतर समझा, इसी क्रम में वरिष्ठ आईपीएस अभिनव कुमार 30 नवंबर को पुलिस विभाग की कमान संभाल चुके हैं। इधर, अभिनव की ताजपोशी के तत्काल बाद सरकार ने पूर्णकालिक डीजीपी के लिए कवायद शुरू करते हुए, डीपीसी के लिए पैनल संघ लोक सेवा आयोग को भेज दिया है। इसमें कार्यवाहक डीजीपी अभिनव के साथ ही अन्य सभी एडीजी दीपम सेठ, पीवीके प्रसाद, अमित सिन्हा, वी मुरुगेशन, संजय गुंज्याल, अजय प्रकाश अंशुमन के नाम शामिल किए गए हैं। अब संघ लोक सेवा आयोग इसमें से टॉप तीन नाम तय करते हुए, पैनल वापस राज्य सरकार को भेजेगी। जिसमें से सरकार किसी एक का नाम पूर्णकालिक डीजीपी के लिए तय कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक संघ लोक सेवा आयोग से जल्द ही पैनल वापस आने की उमीद है।

सीएम धामी ने किया हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि श्रीनगर के स्थापना दिवस और स्वर्ण जयंती कार्यक्रम में वर्चुअल प्रतिभाग

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर के स्थापना दिवस और स्वर्ण जयंती कार्यक्रम में वर्चुअल प्रतिभाग करते हुए विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह की सभी को शुभाकामना दी। उन्होंने हिमालय पुत्र स्वर्गीय हेमवती नन्दन बहुगुणा का स्मरण करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय उनकी विकासवादी सोच का परिणाम है। विश्वविद्यालय पिछले पांच दशकों से स्व. बहुगुणा जी के विकास के सपने को साकार करने हेतु प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि पचास वर्षों से विश्वविद्यालय अपने दायित्वों का बखूबी निर्वहन कर रहा है, इसी का परिणाम है कि 2009 में इसे केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता मिली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह विश्वविद्यालय शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित किए गए विभिन्न रिकॉर्ड विश्वविद्यालय के कुशल नेतृत्व और विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के अथक परिश्रम का प्रतिफल है। विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रशिक्षण के माध्यम से लोगों को कृषि, मोटे अनाज के उत्पादन, पर्यावरण, आर्थिकी, संस्कृति, स्थानीय भाषा, के क्षेत्र में कुशल एवं जागरूक भी बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक प्रयास कुछ मामलों में अत्यंत विशेष हैं। लगभग 13 हजार फुट की ऊँचाई पर स्थित तुंगनाथ में

यह विश्वविद्यालय अपने अथक प्रयासों से एक शोध विस्तारण केन्द्र को संचालित कर रहा है, जिसके अन्तर्गत उच्च हिमालयी दुर्लभ प्रजाति के अनेक औषधीय तथा सगंध पादपों पर शोध किया जाता है। यह कार्य शोध, आयुर्वेद एवं चिकित्सा के साथ ही यहां की आर्थिकी के विकास में भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय ने अपने विशिष्ट प्रयासों से जनसामान्य के लिए इस क्षेत्र की धरोहरों को संग्रहित, संरक्षित एवं प्रदर्शित करने के उद्देश्य से एक पुरातात्विक संग्रहालय की स्थापना भी की है, यह अत्यंत सराहनीय कार्य है।

आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में संपूर्ण विश्व न केवल हमारी शक्ति और ज्ञान परंपरा से परिचित हो रहा है बल्कि प्रत्येक क्षेत्र में हमारा अनुसरण करने को भी तत्पर है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''एक भारत–श्रेष्ठ भारत'' के स्वप्न को साकार करने हेतु उत्तराखंड में डबल इंजन की सरकार निरंतर कार्य कर रही है। देहरादून में सांइस सिटी का निर्माण, हल्द्वानी में देश के पहले एस्ट्रो पार्क का निर्माण, अल्मोड़ा में सांइस सेंटर का निर्माण इसके कुछ विशिष्ट उदाहरण हैं। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से राज्य सरकार भी प्रदेश के सर्वांगीण विकास की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है।

इस अवसर पर वर्चुअल माध्यम से विधायक विनोद कण्डारी, कुलपति हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्व विद्यालय, प्रो.अन्नपूर्णा नौटियाल, निदेशक जी.बी.पन्त राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण संस्थान प्रो. सुनील नौटियाल, कुलपति नार्थ ईस्ट सेंट्रल वि.वि. डॉ. प्रभा शंकर शुक्ला एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

मजदूरी के लिए दून आ रहे दो युवकों की ट्रक की टक्कर से मौत

देहरादून(सं)। मजदूरी करने के लिए सोमवार को हरिद्वार जिले के भगवानपुर क्षेत्र से दून आ रहे दो युवकों की आशारोड़ी क्षेत्र में डंपर की टक्कर से मौत हो गई। हादसे के बाद डंपर समेत चालक फरार हो गया। पुलिस ने दोनों युवकों के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हादसा शुक्रवार सुबह करीब 10.45 बजे हुआ। पुलिस को सूचना मिली बाइक सवार दो युवक डंपर से टकराने के बाद गंभीर घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया। अस्पताल में डाक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की शिनाख्त बाइक चालक कोसेन (26) पुत्र मुंतजिर और सारिक (28) पुत्र फैयाज निवासी नया मस्जिद सिरचंदी, थाना भगवानपुर जिला हरिद्वार के रूप में हुई। सूचना मिलने पर मृतकों के परिजन भी दून पहुंच गए। मौके पर जाकर पुलिस ने पूछताछ की तो पता लगा कि आशारोड़ी क्षेत्र में एक्सप्रेस का निर्माण कार्य चल रहा है। दोनों युवक यहां एक डंपर के पीछे चले रहे थे। अचानक डंपर निर्माण सामग्री उतारने के लिए बांयी तरफ को मुड़ा। इस दौरान इनकी बाइक डंपर के पिछले पहिए से टकराई। इसके बाद दोनों डंपर की चपेट में आए। आशारोड़ी चौकी इंचार्ज विनय शर्मा ने बताया कि दोनों मृतक मजदूरी करते थे। वह मजदूरी करने के लिए शुक्रवार को दून आ रहे थे। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों को तहरीर देने को कहा गया। तहरीर मिलने पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

डीजीपी अभिनव कुमार ने पुलिस अधिकारियों के साथ की बैठक

देहरादून। डीजीपी अभिनव कुमार ने समस्त जनपद प्रभारियों, सेनानायकों और परिक्षेत्र प्रभारियों के साथ पुलिस मुख्यालय स्थित सभागार में बैठक की। उर्क्, ढ/ट सेंथिल अबुदई कृष्णराज एसपी ने समस्त उत्तराखंड पुलिस परिवार की ओर से नवनियुक्त डीजीपी अभिनव कुमार को शुभकामनाएं दी। डीजीपी अभिनव कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तराखंड पुलिस की संवृद्धि और विकास मेरा मुख्य लक्ष्य है। सकारात्मक दृष्टिकोण एवं मनोभाव के साथ एक टीम की तरह हमें काम करना है। मैं आपको पूर्ण समर्थन और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए यहां पर हूँ। मेरा प्रयास रहेगा कि सभी अधिकारियों को फील्ड में काम करने का अवसर मिले। अन्य राज्यों एवं अर्धसैनिक बलों के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकारों को ध्यान में रखते हुए हम अपने जनपद एवं वाहिनी प्रभारियों को वित्तीय एवं

प्रशासनिक अधिकारों में और अधिक मजबूत करेंगे। आप अपना कार्य पूर्ण निष्ठा और समर्पण से करें, यही मेरी आपसे अपेक्षा है। हम सबको मिलकर उत्तराखण्ड पुलिस को नई उंचाइयों पर ले जाना है।

बैठक के दौरान कार्मिक, अपराध और कानून व्यवस्था अनुभागों की समीक्षा कर डीजीपी अभिनव कुमार ने निम्न बिंदुओं पर दिए दिशा–निर्देशउत्तराखंड पुलिस द्वारा उत्तराखण्ड शासन को प्रेषित सभी प्रस्तावों की ठोस पैरवी की जाएगी। चतुर्थ श्रेणी के पदों को आरक्षी ट्रेडमेन से पद नामित किये जाने का प्रयास किया जाएगा। समस्त जनपद और वाहिनी प्रभारी कार्मिकों के एसीआर व एचआरएमएस के डेटा को शत प्रतिशत ऑनलाइन फीड कराना सुनिश्चित कर लें।

समस्त शाखा/इकाई प्रभारी अपने अधीनस्थ समस्त कैडर्स की समीक्षा कर लें, जिससे कार्मिक पदोन्नति और अन्य सुविधाओं का समय से लाभ ले सकें। जमानत और पैरोल पर आये अभियुक्तों की निगरानी और उनकी गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखें। मासिक अपराध गोष्ठी में जेल अधीक्षकों को भी आमंत्रित करें और उनसे भी सूचनाओं का आदान–प्रदान करें। एसटीएफ भी सीमावर्ती राज्यों की जेलों से जमानत एवं पैरोल पर आये अभियुक्तों की नियमित निगरानी करें।

मुख्य सचिव ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों का जायजा लिया

देहरादून। मुख्य सचिव उत्तराखंड शासन एस. एस. संधू ने एफआरआई परिसर पंहुचकर ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों का जायजा लिया। मुख्य सचिव ने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, अतिथि गणों के आवागमन हेतु रूट प्लान एव कार्यक्रम परिसर में स्थापित हो रही सिटिंग व्यवस्था, जलपान, भोजन, पार्किंग स्थल सहित अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य पूर्ण कराने के आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही निर्देशित किया कि आवागमन रूट सहित समस्त व्यवस्थाओं को सुगम बनाया जाए।

इस दौरान मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ले आउट के अनुरूप सभी कार्य यथाशीघ्र पूर्ण करें। कहा कि सुरक्षा मानको के दृष्टिगत तथा प्रोटोकॉल के अनुरूप इवेंट से संबंधित लेआउट प्लान, इंटरनल व एक्सटर्नल प्लान, मूवमेंट प्लान, फूड कोर्ट, इंग्रेशन हॉल आदि को सुव्यवस्थित रूप से स्थापित करें।

सिद्धबली महोत्सव: ढोल नगाड़ों के साथ निकली बाबा सिद्धबली की शोभायात्रा, उमड़ी भीड़

शोभायात्रा में शामिल सिद्धबाबा का डोला

शोभायात्रा में शामिल मां काली की झांकी

शोभायात्रा में शामिल भगवान श्रीकृष्ण की झांकी

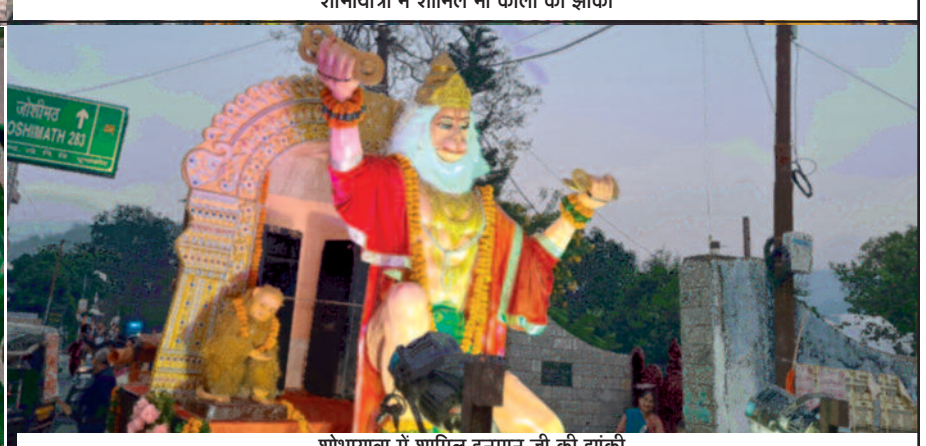

शोभायात्रा में शामिल हनुमान जी की झांकी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : श्री सिद्धबली मंदिर समिति के तत्वावधान में तीन दिवसीय श्री सिद्धबली बाबा वार्षिक अनुष्ठान 2023 के तहत शुक्रवार देर शाम नगर में भव्य शोभायात्रा भी निकाली गई। शोभायात्रा देखने के लिए सड़कों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी हुई थी।

बदरीनाथ मार्ग स्थित टाटा कामर्शियल के समीप से शुरू हुई शोभायात्रा का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने किया।

शोभा यात्रा नगर के मुख्य मार्ग बदरीनाथ मार्ग, झंडाचौक, नजीबाबाद चौक देवी रोड होते हुए गुजरी शोभायात्रा में सबसे आगे भगवान गणेश की झांकी चल रही थी। इस दौरान जगह-जगह लोगों ने फूल-माला बरसाकर शोभायात्रा का स्वागत किया। विभिन्न समितियों की ओर से चौराहों पर प्रसाद वितरण किया गया था। शोभायात्रा में जहां झांकियां आकर्षण का केंद्र बनी रही वहीं, क्षेत्र की विभिन्न कीर्तन मंडलियों ने भी अपनी प्रस्तुति दी। झांकी में नासिक के ढोल में श्रद्धालु झूम रहे थे। वहीं, महाकाल, हनुमान, इस्कान, वैष्णों देवी, गणेश चूहा, राधा-कृष्ण की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। शोभायात्रा में ह्यसिद्धबाबा का डोलाह्ण पर सिर नवाकर लोगों ने सिद्धबाबा का आशीर्वाद व प्रसाद लिया। शोभायात्रा देखने सड़कों पर जनसैलाब उमड़ पड़ा।

तीन मास्टर ट्रेनरों पर होगी कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : लोकसभा चुनाव को लेकर विकास भवन सभागार में जिले की सभी विधानसभाओं में तैनात किए गए 90 मास्टर ट्रेनरों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। घुड़दौड़ी इंजीनियरिंग कालेज के सहायक प्रोफेसर आईएस चौहान ने ईवीएम, वीपीपैट का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण से गायब तीन मास्टर ट्रेनरों के खिलाफ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, उत्तराखंड राज्य कर्मचारी आचरण नियमावली के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई व प्राथमिक सूचना दर्ज करने की संस्तुति की जा रही है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्ट्रर ट्रेनरों को परियोजना प्रबंधक स्वजल दीपक रावत द्वारा ईवीएम, वीवीपैट के आउटरीच जनजागरूकता कार्यक्रम, मशीनों की हैंडलिंग, सुरक्षा के साथ प्रदर्शन करने, सिलिंग प्रक्रिया, मतदान प्रक्रिया, मतों की गणना, मतदान अधिकारियों के कर्तव्यों, आदर्श आचार संहिता आदि की विस्तार से जानकारी दी गई।

जिंदगी से जंग जीतकर घर पहुंचे गब्बर सिंह, फूल-मालाओं से हुआ स्वागत

कोटद्वार पहुंचे गब्बर सिंह का स्वागत करते लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तरकाशी के सिलक्यारा टनल में 17 दिन जिंदगी मौत से जंग जीतकर कोटद्वार पहुंचे गब्बर सिंह का शहर में भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान गब्बर सिंह ने टनल के अंदर आई चुनौतियों को भी साझा किया। शहर में हर कोई गब्बर सिंह के धैर्य व साहस की प्रशंसा कर रहा था। पूरे दिन गब्बर सिंह के घर पर लोगों का तांता लगा रहा। जनप्रतिनिधियों ने भी गब्बर सिंह का स्वागत किया। शुक्रवार को देहरादून से कौड़िया चैक पोस्ट पर पहुंचे गब्बर सिंह नेगी का भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने स्वागत किया। इसके उपरांत जैसे ही गब्बर सिंह बिसनपुर स्थित अपने आवास पर पहुंचे मिलने के लिए लोगों का तांता लग गया। श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल लालपानी के बच्चों ने उनका स्वागत किया। अपना अनुभव साझा करते हुए गब्बर सिंह ने कहा कि शुरू में दो दिनों तक उन्होंने मूंगफली, केले खाकर व पानी पीकर गुजारा किया। जब मूंगफली खत्म हो गई तो उन्हें मूंगफली के छिलकों के सहारे जिंदा रहने के लिए मजबूर होना पड़ा। सुरंग के भीतर वह अन्य श्रमिकों का भी हौसला बढ़ाते रहे। सुरंग के बाहर काम कर रही एक बेहतर टीम की मेहनत से ही 41 श्रमिकों की जान बची है। बिशनपुर की नारायणी कीर्तन मंडली व रतनपुर की लक्ष्मी नारायण कीर्तन मंडली की महिलाओं ने भी उनका स्वागत किया। पूर्व सैनिक संघर्ष समिति के सदस्यों सहित राजनीतिक व सामाजिक संगठनों के लोग भी फूलमाला थामे गबर सिंह के स्वागत के इंतजार में देखे गए। घर के अंदर प्रवेश करने से पहले ही गेट पर गब्बर सिंह के आने की प्रतीक्षा कर रही उनकी माता 92 वर्षीय बचुली देवी ज्यादा ही भावुक हो गई। उन्होंने अपने पुत्र गब्बर सिंह को गले से लगा दिया। इस मौके पर पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी, भाजपा जिलाध्यक्ष बीरेंद्र सिंह रावत, पार्षद अनिल रावत, बीडीसी सदस्य सुनीता कोटनाला, बीना रावत, दीपक पांडे, आदि मौजूद रहे।

सिद्धबली मंदिर परिसर में चलाया स्वच्छता अभियान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर स्थित भगवंत ग्लोबल विश्वविद्यालय के एनएसएस व स्काउट गाइड इकाई के स्वयं सेवकों ने गुरूवार को सिद्धबली मंदिर प्रांगण और आसपास स्वच्छता अभियान चलाया।

अभियान का आरंभ करते हुए विवि डीन प्रो. पी.एस. राणा ने स्वयं सेवकों को सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर सिद्धबली मंदिर के महंत दिलीप रावत ने एनएसएस स्वयं सेवकों के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि हमें अपने चारो ओर स्वच्छता रखनी चाहिए और अन्य लोगों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। कहा कि आसपास सफाई रखने से बीमारी के कीटाणुओं के पनपने की संभावना कम हो जाती है। अभियान के दौरान मंदिर परिसर से अपशिष्ट पदार्थों को एकत्र कर निस्तारित किया गया।

रैली निकालकर एड्स के प्रति किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम के अंतर्गत मेहरबान सिंह कंडारी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में एड्स दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जनजागरूकता रैली के आयोजन के साथ ही छात्रों को एड्स बीमारी पर जानकारी दी गई ।कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वप्रथम जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली विद्यालय परिसर से जौनपुर, फारेस्ट कालोनी होते हुए पुनः विद्यालय में आकर सम्पन्न हुई। विद्यालय प्रधानाचार्य चन्दन सिंह नकोटी ने छात्रों को एड्स पर जानकारी देते हुए कहा कि यह एक जानलेवा बीमारी है। इसका अभी तक कोई सफल इलाज नहीं है। इसलिए हमें इससे दूर रहना चाहिए। कार्यक्रम अधिकारी मनीष मधवाल ने कहा कि एड्स एचआईवी वायरस से होता है। यह बीमारी असुरक्षित यौन सम्बन्ध, दूसरे द्वारा उपयोग की गई सुई व बिना चैक किया हुआ रक्तदान करने आदि से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचती है। इस बीमारी का वायरस हमारे शरीर में प्रतिरक्षा तंत्र को प्रभावित करता है, जिसके कारण कोई भी सामान्य बीमारी ठीक नहीं हो पाती। इस बीमारी का जागरूकता ही इलाज है। इस दौरान सहायक

एड्स जागरूकता रैली निकालते विद्यार्थी

कार्यक्रम अधिकारी अरूण कुमार व अमित सिंह आदि शिक्षकों सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। वहीं, विश्व एड्स दिवस के अवसर पर शुक्रवार को राइंका कुंभीचौड़ के रासेयो स्वयं सेविवों ने विद्यालय परिसर से कुंभीचौड़, रतनपुर, ग्रास्टनगंज होते हुए सिद्धबली मंदिर परिसर तक एड्स जागरूकता रैली निकाली। इस दौरान स्वयं सेवियों ने आम जन से आह्वान किया कि देश से एड्स निवारण में वे भी अपना योगदान दें और अन्य लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक करें। इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी राजेंद्र भंडारी, मिथलेश बलोधी और मेहरबान सिंह रावत सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। वहीं, शहीद लांस नायक धनवीर सिंह राणा राजकीय कन्या इंटर कॉलेज कण्वघाटी में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा एक दिवसीय शिविर लगाया गया, जिसमें स्वयं सेवियों ने स्वच्छता कार्यक्रम भाषण में प्रतिभाग किया। भाषण में कीर्ति प्रथम, सरगम द्वितीय तथा पूजा तृतीय स्थान पर रही। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मंजु कपरवाण ने कहा कि एड्स के प्रति जन साधारण को जागरूक करना बहुत आवश्यक है। इस मौके पर ग्रामीण हिमालय अध्ययन एवं संरक्षण संस्था की प्रोजेक्ट मैनेजर लक्ष्मी थपलियाल, महिपाल सिंह, विकास वेदियाल, पूजा देवी, स्वाति देवी, कमला देवी, प्रीति बिष्ट आदि मौजूद रहे।

सांसद ने लाभार्थियों को बांटे उज्जवाला गैस कनेक्शन

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : शुक्रवार को नगर पंचायत सतपुली में सांसद गढ़वाल एवं पूर्व सीएम तीरथ सिंह रावत ने उज्जवला योजना के तहत लाभार्थियों को गैस कनेक्शन बांटे। सांसद ने आयोजित कार्यक्रम में 141 पात्र परिवार के लाभार्थियों को निःशुल्क गैस कनेक्शन वितरित किए।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत ने कहा कि केंद्र सरकार ने हर वर्ग को ध्यान में रखते हुए योजनाओं की शुरुआत की है। उज्जवला योजना सहित केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ आज पात्र लोगों को मिल रहा है। कहा कि उज्जवला योजना ने बड़ी संख्या में महिलाओं को धुंए से मुक्त स्वस्थ्य जीवन देने का भी काम किया। कार्यक्रम में शिवा गैस एजेंसी संचालक मंजू रावत, खाद्यपूर्ति निरीक्षक रविन्द्र कुमार, नगर पंचायत अध्यक्ष अंजना वर्मा, वेद प्रकाश वर्मा, पीएलबी पुष्पेंद्र राणा, बीएम रावत आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सत्यनारायण वेदी ने किया।

विकसित संकल्प यात्रा पहुंची थलीसैंण, योजनाओं के लाभार्थियों से किया संवाद

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत रोस्टर के अनुसार विकासखंड थलीसेंड की चार ग्राम पंचायती ग्राम पंचायत मासो, ग्राम पंचायत भडेली, ग्राम पंचायत गंगाउ एवं ग्राम पंचायत गडौली में कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस दौरान केंद्र एवं राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई।

ज्ञातव्य हो कि यात्रा के रथ को पौड़ी मुख्यालय से डीएम ने हरी झंडी दिखाकर ग्राम पंचायतों के लिए रवाना किया था। रथ यात्रा का मकसद केंद्र और प्रदेश सरकारी की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाना है। इस दौरान प्रधानमंत्री आवास, उज्वला योजना, आयुष्मान भारत, किसान क्रेडिट कार्ड, किसान समान निधि के लाभर्थियों से संवाद कर चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान सरकार द्वारा चलाए जा रही विभिन्न योजनाओं की समस्त रेखीय विभागों द्वारा चर्चा की गई। ग्राम पंचायत में योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियों ने मेरी जुबानी मेरी कहानी के तहत सरकार का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर ग्राम पंचायत भाडेली एवं ग्राम पंचायत गंगाउ में खंड विकास अधिकारी थलीसैंण टीकारा कोटियाल, न्याय पंचायत प्रभारी खंडोरी, ग्राम पंचायत के नोडल अधिकारी बबीता, उद्यान विभाग से सुनील कंडारी सहायक विकास अधिकारी, रिप परियोजना से मोहित कुमार, इंडियन गैस एजेंसी के प्रबंधक, बाल विकास से आंगनबाड़ी कार्यकत्री, आशा सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

कबड्डी में कैंयूर रहा विजयी

जयन्त प्रतिनिधि।थलीसैंण। विकास खंड थलीसैंण के खेल मैदान में ब्लाक स्तरीय खेल महाकुंभ आयोजित खेल महाकुंभ पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न हो गया है। कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल मैच सलोन व कैंयूर के बीच खेला गया। जिसमें कैंयूर विजेता रहा।

खंड विकास अधिकारी ने खेल महाकुंभ के सफल आयोजन पर जनप्रतिनिधियों एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि खेल महाकुंभ 2023 में सभी लोगों ने बड़ा सहयोग कर छात्र-छात्राओं का हौसला बढ़ाया। उन्होंने क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी दिनेश चौहान द्वारा खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने में सराहनीय कार्य करने में उन्हें बधाई दी। कहा कि ऐसा खेल महाकुंभ इससे पहले कभी नहीं हुआ होगा।

काउंसलिंग के लिए पहुंचे सोलह व्यायाम शिक्षक

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : एलटी तीस फीसदी पदोन्नति के लिए शुक्रवार को पौड़ी में व्यायाम शिक्षकों की काउंसलिंग का आयोजन किया गया। काउंसलिंग में मंडल के शिक्षकों ने हिस्सा लिया। यह काउंसलिंग पदोन्नति के करीब सौ से अधिक पदों के लिए आयोजित की गई। हालांकि काउंसलिंग के लिए जितने शिक्षकों को बुलाया गया था उतने शिक्षक काउंसलिंग में नहीं पहुंच रहे हैं।

एडी माध्यमिक शिक्षा गढ़वाल मंडल एसबी जोशी ने बताया कि मंडल सातों जनपदों से व्यायाम में कुल 24 शिक्षकों को बुलाया गया था। इसमें से काउंसलिंग में शुक्रवार को 16 शिक्षकों ने हिस्सा लिया। जिसमें टिहरी जिले से 5, हरिद्वार से 3, पौड़ी, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी और चमोली जिलों से 2-2 शिक्षकों ने काउंसलिंग में हिस्सा लिया। देहरादून जिले से कोई शिक्षक नहीं था। इसी के साथ ही हिन्दी और अंग्रेजी विषय में पौड़ी जिले से एक-एक शिक्षक ही काउंसलिंग के पहुंचे थे। 23 सितंबर से गढ़वाल मंडल के शिक्षकों की काउंसलिंग की शुरुआत की गई थी। जिसमें कुल 233 शिक्षकों को काउंसलिंग के लिए बुलाया गया था, इसमें से 144 शिक्षक ही एलटी काउंसलिंग के लिए पहुंचे।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/समन्वय द्वारा ई टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते हैं जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल **IREPS** पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगें। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या/दिनांक	236-DRM-MB-23-24 / 30.11.2023		
कार्य का नाम	Loading, leading, unloading and stacking of P.way materials except PSC line sleeper from different track depots/plants of Northern and other Railways to track depot CBJ and various site of work in the division under DEN/Track/MB.		
अनुमानित लागत	3,06,04,241.90	धरोहर राशि	3,03,000.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 माह	निविदा की कीमत	Nil
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	28.12.2023 16:00 hrs		
बिडिंग स्टार्ट तिथि	14.12.2023		
ऑफर की वैधता	60 दिन		

पत्रांक - 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 01.12.2023 3791/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते हैं। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल **IREPS** पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगें। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. / Date	232-DRM-MB-23-24 dt. 23.11.2023		
Name of Work	Heavy repair to Divisional Railway Hospital Moradabad under ADEN/HQ/MB. Estimate no-259/2023		
Advertised Value (Rs.)	59,99,577.53	Earnest Money (Rs.)	1,20,000.00
Period of Completion	06 month		
Tender No. / Date	234-DRM-MB-23-24 dt. 28.11.2023		
Name of Work	Provision of lift for ABSS station CH (2 Nos) and 4 nos Escalator at PF No.-1 (DLI End) and 2 & 3 (LKO end) at Moradabad Railway station under Sr.DEN-HQ/MB (DE no-24/Elect/23-24/MB)		
Advertised Value (Rs.)	98,47,972.50	Earnest Money (Rs.)	1,97,000.00
Period of Completion	06 month		
Tender No. / Date	235-DRM-MB-23-24 dt. 28.11.2023		
Name of Work	Zone No-03(2023-24) for staff quarters and service building in ZRTI/Ch under ADEN/CH		
Advertised Value (Rs.)	76,99,995.68	Earnest Money (Rs.)	1,54,000.00
Period of Completion	12 month		
Tender Closing Date Time	25.12.2023		
Tender Cost (Rs.)	0.00		
Bidding Start Date	11.12.2023		

पत्रांक - 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 28.11.2023 3761/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एड्स दिवस पर निकाली जन जागरूकता रैली

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति के सहयोग से ग्रामीण हिमालय अध्ययन एवं संरक्षण संस्था रतनपुर कोटद्वार ने शुक्रवार को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एचआईवी/एड्स/टीबी विषय पर जनजागरूकता रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया।

संस्था की ओर से विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जेपी इंटर कॉलेज गाड़ीघाट के एनएसएस के 50 छात्र/छात्राओं तथा शिक्षकों के साथ मिलकर जनजागरूकता रैली निकाली। इस दौरान एड्स व टीबी के लक्षण, इससे बचाव, उपचार तथा कारण के बारे में बताया गया।

बताया गया कि एचआईवी एक वायरस है जो मनुष्य के शरीर में प्रवेश करके उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम कर देता है, जिससे उसे कई प्रकार की अवसरवादी बीमारियां घेर लेती हैं तथा वह एड्स की अवस्था में पहुंच जाता है। साथ ही बताया गया कि एड्स एक लाइलाज बीमारी है, इस महामारी को जड़ से खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है। इस मौके पर संस्था सचिव श्रीमती गीता गुसांई, प्रधानाचार्य केसी कुकरेती, विवेक कुकरेती, अजय राणा, गोपाल दत्त, दीपक कुमार, रश्मि बिष्ट, लखपत सिंह, कृष्णा, शशि, अनीता आदि मौजूद थे।

2024 में भव्य तरीके से बैकुंठ चतुर्दशी मेले का होगा आयोजन : डॉ. रावत

श्रीनगर में सात दिवसीय बैकुंठ चतुर्दशी मेले का हुआ समापन

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ी : उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने श्रीनगर स्थित आवास विकास मैदान में आयोजित बैकुंठ चतुर्दशी मेला एवं विकास प्रदर्शनी 2023 के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष भी भव्य तरीके से मेले का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अव्वल रहे छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मेले के समापन अवसर पर सांस्कृतिक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति भी दी गई।

कैबिनेट मंत्री ने मेले के समापन अवसर पर दीप प्रज्वलित करते हुए कहा कि सात दिवसीय बैकुंठ चतुर्दशी मेला एवं विकास प्रदर्शनी का आयोजन बेहद ही खास रहा है। कहा कि अगले वर्ष भी ओर बेहतर गतिविधियां शामिल करते हुए मेले को एक नया स्वरूप दिया जाएगा। उन्होंने मेले के सफल आयोजन को लेकर जिला प्रशासन, पुलिस, नगर निगम श्रीनगर, मेला समिति

सहित अन्य लोगों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें सम्मानित किया। कहा कि मेले के सफल आयोजन को लेकर विभागों का विशेष सहयोग रहा है। साथ ही उन्होंने बैकुंठ चतुर्दशी मेले के अवसर पर पहली बार राफ्टिंग का आयोजन भी किया गया है। कहा कि निरंतर राफ्टिंग होने से स्थानीय लोगों की आर्थिकी भी मजबूत होगी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष शांति देवी, उपजिलाधिकारी श्रीनगर नुपूर वर्मा, थानाध्यक्ष श्रीनगर विनोद गुसांई सहित अतर सिंह असवाल, जितेंद्र सिंह व अन्य अतिथि व आम जनमानस उपस्थित थे।

विधायक ने रखी ट्राइडेंट पार्क निर्माण की आधारशिला

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ी : जनपद पौड़ी के बीच तहसील के पास में स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी, जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान और नगर पालिका अध्यक्ष यशपाल बेनाम द्वारा ट्राइडेण्ट पार्क निर्माण की आधारशिला रखते हुए भूमि पूजन का कार्य संपन्न किया गया।

शहर के मध्य में हिमालय के दर्शन हेतु पर्यटकों को आकर्षित करने तथा स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य लाभ लेने के लिए टहलने के लिए उपयोगी इस ट्राइडेंट पार्क में 65 से 70 फीट ऊँचें ट्राइडेंट की स्थापना की जायेगी तथा पार्क का निर्माण भी किया जायेगा। भूमि पूजन के दौरान स्थानीय विधायक ने कहा कि शहर के मध्य में हिमालय के दर्शन तथा आध्यात्मिकता का अनुभव एक साथ होने से शहर में पर्यटक आकर्षित होंगे। कहा कि स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य लाभ लेने के लिए टहलने की सुविधा होगी। ट्राइडेंट पार्क की स्थापना का कार्य सभी की सहमति और सभी के हित में किया जा रहा है। इससे स्थानीय लोगों की आर्थिकी में बढोतरी भी संभव हो सकेगी। इस दौरान कार्यदायी संस्था लोक निर्माण के अधिशासी अभियंता केएस नेगी सहित संबंधित कार्मिक और स्थानीय लोग उपस्थित थे।

पालिकाध्यक्ष बेनाम ने गिनाई उपलब्धियां

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : नगर पालिका अध्यक्ष ने अपने कार्यकाल के आखिरी दिन उपलब्धियां गिनवाई। कहा कि कार्यकाल खत्म होने के बाद भी जिला प्रशासन के साथ मिलकर शहर हित में विकास कार्यों में सहयोग किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि उनके कार्यकाल में हर वार्ड में विकास कार्य किए गए है।

शुक्रवार को नगर पालिकाध्यक्ष यशपाल बेनाम ने अपने कार्यकाल के अंतिम दिन प्रेसवार्ता में कहा कि साल 2003 के कार्यकाल के दौरान उन्होंने शहर के विभिन्न मोहल्लों में रास्तों का निर्माण, पॉलीथिन बंद करने का काम किया। इस कार्यकाल में शहर में कांजी हाउस, स्लाटर हाउस, वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पार्क, बैंज्वाड़ी में सड़क, व्यू प्वाइंट, प्रवेश द्वार के साथ ही कई स्थानों पर पार्किंग का निर्माण करवाया गया। कहा कि सीएम पुष्कर सिंह धामी ने नवनिर्मित बस स्टेशन में पार्किंग निर्माण का लोकार्पण किया गया। जिस पर पार्किंग का संचालन शुरू कर दिया गया है। यहां पर 25 गाड़ियों की परमानेंट पार्किंग के साथ ही पर्यटकों के लिए 50 गाड़ियों की पार्किंग होगी। कहा कि कार्यकाल खत्म होने के बाद भी जिला प्रशासन के साथ आपसी तालमेल के साथ शहर हित में विकास कार्यों में सहयोग किया जाएगा।

शतरंज में आयुष, सक्षम ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : एसजीआरआर पब्लिक स्कूल के वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। शतरंज सीनियर बालक वर्ग में आयुष रावत पहले, नैतिक सागर दूसरे, अक्षित नेगी तीसरे, जूनियर बालक में सक्षम पहले, आराध्या दूसरे, प्रियांशु तीसरे स्थान पर रहा। कैरम जूनियर वर्ग में देव सिंह रावत ने पहला, शिवांशु ने दूसरा, सृष्टि ने तीसरा, सीनियर बालिका वर्ग में प्रियांशी पहले, महक नैथानी दूसरे, स्नेहा तीसरे स्थान पर रही। सीनियर बालक वर्ग में अक्षित ने पहला, रोहित ने दूसरा व आशीष धनोषी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्री प्राइमरी कुर्सी दौड में अंशिका पहले, अनिरुद्ध दूसरे व श्रेया तीसरे स्थान पर रही। 50मी लेमन रेस में आराध्या ने पहला, यशिता नेगी ने दूसरा व ज्योत्सना ने तीसरा, 100 रेस प्राइमरी बालक वर्ग में लक्षित बिजल्वाण पहले, सार्थक नेगी दूसरे, प्रतीक तीसरे स्थान पर रहे। बैडमिंटन जूनियर बालिका वर्ग में वैष्णवी पहले, आयुषी मियां दूसरे आरूषि रावत तीसरे, जूनियर बालक में सक्षम ने पहला, शुभम ने दूसरा व आयुष जोशी ने तीसरा स्थान पाया। टीटी ओपन वर्ग बालक में आराध्या बहुगुणा ने पहला, राज रावत ने दूसरा, आयुष आर्य ने तीसरा, बालिका में प्रियंका ने पहला, अंशिका ने दूसरा व खुशी ने तीसरा स्थान हासिल किया।

धूमधाम से मनाया गया गढ़वाल विवि का स्वर्ण जयंती समारोह

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय का स्वर्ण जयंती समारोह शुक्रवार को चौरास स्थित स्वामी मनमथन ऑडिटोरियम में धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपना सम्बोधन ऑनलाइन माध्यम से दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में देवप्रयाग विधायक विनोद कण्डारी और कुलपति प्रो अन्नपूर्णा नौटियाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत् उद्घाटन किया।

1 दिसम्बर 1973 को स्थापित हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के 50 वर्ष पूर्ण होने पर विवि की स्थापना के लिए हुए आन्दोलन में अह्म भूमिका निभाने वाले पांच आन्दोलनकारियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हेमवती नंदन बहुगुणा को श्रद्धांजलि देते हुए केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में गढ़वाल विश्वविद्यालय के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हिमालयी क्षेत्र के संसाधनों का उचित प्रयोग किया जा रहा है और आज यहां से उच्च शिक्षा ग्रहण कर छात्र-छात्राएं विश्व भर में नाम रोशन कर रहे हैं।

उन्होंने छात्र-छात्राओं को संदेश देते हुए कहा कि योग्यता, क्षमता, परिश्रम का कोई तोड़ नहीं है परिश्रम करके हर व्यक्ति सफल हो सकता है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय की चौरास सड़क, स्टेडियम मरम्मत तथा रेलवे द्वारा परिसर भरान की रॉयल्टी माफ करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर कुलपति प्रो अन्नपूर्णा नौटियाल ने कहा कि हमें आज गर्व है कि हम उन आन्दोलनकारियों और पूर्व छात्रों को सम्मानित कर रहे हैं जिनका विश्वविद्यालय के लिए अमूल्य योगदान है। कुलपति ने कहा कि भारतीय हिमालय केन्द्रीय विश्वविद्यालय संघ (आईएचसीयूसी) को साथ लेकर भारतीय ज्ञान परम्परा और हिमालय सांस्कृतिक विरासतों का उच्च शिक्षा में शोध एवं प्रबन्धन की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि देवप्रयाग विधायक विनोद कण्डारी ने स्वर्ण जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के पचास वर्ष के इतिहास में बहुत कुछ बदला जिसका श्रेय सबसे पहले इसकी स्थापना के लिए आन्दोलन करने वाले आन्दोलनकारियों को जाता है। इस अवसर पर नार्थ ईस्ट हिल यूनिवर्सिटी, सिक्किम तथा मणिपुर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति, गढ़वाल विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. आर सी भट्ट, कार्यक्रम सम्नवयक प्रो वाईपी रैवानी, कुलसचिव डॉ. धीरेन्द्र कुमार शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. एमएस नेगी, मुख्य नियन्ता प्रो. बीपी नैथानी, तीनों कैंपस के निदेशक, छात्र-छात्राएं आदि कार्यक्रम में मौजूद रहे। (एजेंसी)

पर्यावरण और पारिस्थितिकी पर शोध के क्षेत्र में अपार संभावनाएं

विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रहे डॉ. सुनील नौटियाल, निदेशक, जी.वी.पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण संस्थान, अल्मोड़ा ने विश्वविद्यालय के गौरवशाली इतिहास और अपनी पुरानी स्मृतियों को याद करते हुए छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को बताया कि हिमालय के पर्यावरण और पारिस्थितिकी पर शोध के क्षेत्र में अपार संभावनाएं है जिसमें सहभागिता के साथ सभी को काम करना होगा।

कार्यालयः- ग्रा0 प्रधान/ग्रा0पं0वि0अधि0- सासौ विकास खण्ड- थलीसैंण, पौड़ी गढ़वाल

पत्रांक/ मैमो

अल्पकालिक निविदा / कोटेशन सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य हेतु शिल्ड निविदायें आमंत्रित की जाती है, निविदा प्रपत्र दि0 04.12.23 से 05.12.23 तक किसी भी कार्य दिवस में 10:00 बजे पूर्वाहन से 14:00 बजे सायं तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में निर्धारित शुल्क देकर प्राप्त किये जा सकते हैं, तथा दिनांक 13.12.23 को अप्राहन 14:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में निविदा बॉक्स में निविदा डाली जा सकती है, निविदा प्रपत्रों को दि0 14.12.23 को अप्राहन 1:30 बजे उपस्थित निविदाताओं अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष ग्राम प्रधान/ग्रा0प0वि0अधि0 सासौ के कार्यालय में निविदा खोलने हेतु गठित समिति द्वारा खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू0) में	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0) में	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता	ठेकेदारों की श्रेणी
1	पंचायत भवन निर्माण	20000/-	1500+GST	6 माह	12 दिन	,D, अथवा उच्चतर

1- निविदा प्रपत्र के साथ वांछित धरोहर राशि एन0एस0सी0/बैंक एफ0डी0आर0/पोस्ट ऑफिस पास बुक के रूप में जो कि ग्रा0पं0वि0अधि0 सासौ के पदनाम बन्धक ही मान्य होगी।

2- निविदा प्रपत्र के साथ 100.00 (एक सौ रू0) का स्टाम्प पेपर एवं रू0 1.00 का हस्ताक्षर युक्त रसीद टिकट हो, वैद्यता की शर्तो को लाना अनिवार्य है इसके बिना निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।

3- निविदा की शर्ते जी0पी0डब्ल्यू-08 जी0पी0डब्ल्यू-9, निविदा प्रपत्र 69/70 के अनुसार होगी, एवं निविदा की अन्य शर्तें/नियम निविदा प्रपत्र प्राप्त कर देखी जा सकती है।

4- किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

नोट - निविदा प्रपत्र क्रय करते समय ठेकेदारों को पंजीकरण प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना पड़ेगा।

ग्रा0पं0वि0अधि0
ग्राम पंचायत-सासौ
विकाख खण्ड-थलीसैंण
जनपद-पौड़ी गढ़वाल।

कार्यालयः- ग्रा0 प्रधान/ग्रा0पं0वि0अधि0- समयावल्ला विकास खण्ड- थलीसैंण, पौड़ी गढ़वाल

पत्रांक/ मैमो

अल्पकालिक निविदा / कोटेशन सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य हेतु शिल्ड निविदायें आमंत्रित की जाती है, निविदा प्रपत्र दि0 04.12.23 से 05.12.23 तक किसी भी कार्य दिवस में 10:00 बजे पूर्वाहन से 14:00 बजे सायं तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में निर्धारित शुल्क देकर प्राप्त किये जा सकते हैं, तथा दिनांक 13.12.23 को अप्राहन 14:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में निविदा बॉक्स में निविदा डाली जा सकती है, निविदा प्रपत्रों को दि0 14.12.23 को अप्राहन 14:00 बजे उपस्थित निविदाताओं अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष ग्राम प्रधान/ग्रा0प0वि0अधि0 समयावल्ला के कार्यालय में निविदा खोलने हेतु गठित समिति द्वारा खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू0) में	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0) में	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता	ठेकेदारों की श्रेणी
1	पंचायत भवन निर्माण	20000/-	1500+GST	6 माह	12 दिन	,D, अथवा उच्चतर

1- निविदा प्रपत्र के साथ वांछित धरोहर राशि एन0एस0सी0/बैंक एफ0डी0आर0/पोस्ट ऑफिस पास बुक के रूप में जो कि ग्रा0पं0वि0अधि0 समयावल्ला के पदनाम बन्धक ही मान्य होगी।

2- निविदा प्रपत्र के साथ 100.00 (एक सौ रू0) का स्टाम्प पेपर एवं रू0 1.00 का हस्ताक्षर युक्त रसीद टिकट हो, वैद्यता की शर्तो को लाना अनिवार्य है इसके बिना निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।

3- निविदा की शर्ते जी0पी0डब्ल्यू-08 जी0पी0डब्ल्यू-9, निविदा प्रपत्र 69/70 के अनुसार होगी, एवं निविदा की अन्य शर्तें/नियम निविदा प्रपत्र प्राप्त कर देखी जा सकती है।

4- किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

नोट - निविदा प्रपत्र क्रय करते समय ठेकेदारों को पंजीकरण प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना पड़ेगा।

ग्रा0पं0वि0अधि0
ग्राम पंचायत-समयावल्ला
विकाख खण्ड-थलीसैंण
जनपद-पौड़ी गढ़वाल।

कार्यालयः- ग्रा0 प्रधान/ग्रा0पं0वि0अधि0- जैतीडांग विकास खण्ड- थलीसैंण, पौड़ी गढ़वाल

पत्रांक/ मैमो

अल्पकालिक निविदा / कोटेशन सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य हेतु शिल्ड निविदायें आमंत्रित की जाती है, निविदा प्रपत्र दि0 04.12.23 से 05.12.23 तक किसी भी कार्य दिवस में 10:00 बजे पूर्वाहन से 14:00 बजे सायं तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में निर्धारित शुल्क देकर प्राप्त किये जा सकते हैं, तथा दिनांक 13.12.23 को अप्राहन 14:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में निविदा बॉक्स में निविदा डाली जा सकती है, निविदा प्रपत्रों को दि0 14.12.23 को अप्राहन 14:00 बजे उपस्थित निविदाताओं अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष ग्राम प्रधान/ग्रा0प0वि0अधि0 जैतीडांग के कार्यालय में निविदा खोलने हेतु गठित समिति द्वारा खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू0) में	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0) में	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता	ठेकेदारों की श्रेणी
1	पंचायत भवन निर्माण	20000/-	1500+GST	6 माह	12 दिन	,D, अथवा उच्चतर

1- निविदा प्रपत्र के साथ वांछित धरोहर राशि एन0एस0सी0/बैंक एफ0डी0आर0/पोस्ट ऑफिस पास बुक के रूप में जो कि ग्रा0पं0वि0अधि0 जैतीडांग के पदनाम बन्धक ही मान्य होगी।

2- निविदा प्रपत्र के साथ 100.00 (एक सौ रू0) का स्टाम्प पेपर एवं रू0 1.00 का हस्ताक्षर युक्त रसीद टिक हो, वैद्यता की शर्तो को लाना अनिवार्य है इसके बिना निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।

3- निविदा की शर्ते जी0पी0डब्ल्यू-08 जी0पी0डब्ल्यू-9, निविदा प्रपत्र 69/70 के अनुसार होगी, एवं निविदा की अन्य शर्तें/नियम निविदा प्रपत्र प्राप्त कर देखी जा सकती है।

4- किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

नोट - निविदा प्रपत्र क्रय करते समय ठेकेदारों को पंजीकरण प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना पड़ेगा।

ग्रा0पं0वि0अधि0
ग्राम पंचायत-जैतीडांग
विकाख खण्ड-थलीसैंण
जनपद-पौड़ी गढ़वाल।

सम्पादकीय

सुरंग के सर्वे पर सवाल

17 दिन तक जीवन और मृत्यु के बीच झूलते 41 मजदूर सुरक्षित तो बच गए हैं लेकिन इस सुरंग के निर्माण को लेकर जिस प्रकार की तकनीकी बातों को नजरअंदाज किया गया वह अब एक–एक कर सामने आ रही है। सबसे बड़ी हैरानी तो सुरंग की मिट्टी को लेकर सामने आई है जिसमें जियोलॉजिकल रिपोर्ट को लेकर अब सवाल खड़े हो रहे हैं। जियोलॉजिकल रिपोर्ट में कहा गया था कि सिलक्यारा टनल को बनाने के लिए परिस्थितियों बिल्कुल अनुकूल है और सुरंग के अंदर का भौगोलिक स्तर कठोर चट्टान का है। मैडम ने यह है कि जब इस सुरंग को खोदकर अंदर का कार्य शुरू हुआ तो जूलॉजिकल रिपोर्ट पर ही सवाल उठने लगे और पता लगा कि सुरंग के अंदर तो मिट्टी के पहाड़ है। यही मिट्टी धड़कने के कारण 41 मजदूर सुरंग में फंस गए थे जो 17 दिनों तक अंदर बंद रहे। अब सवाल यह है कि क्या उत्तराखंड में अधिकांश परियोजना आदि अधूरी जूलॉजिकल रिपोर्ट पर ही चल रही है, क्या इन प्रोजेक्ट स्थल पर कार्य करने वाले कर्मचारी सुरक्षित है भी या नहीं? उत्तरकाशी स्थित सिल्करा सुरंग का निर्माण 2018 में शुरू करने से पूर्व इसका भूगर्भीय सर्वेक्षण किया गया था जिसमें कहा गया था कि जिस स्थान पर सुरंग का निर्माण होना है वहां सख्त पत्थर है और आसानी से सुरंग का निर्माण किया जा सकता है। सिलक्यारा टनल तो महज एक उदाहरण मात्र है यदि अब गंभीरता से उत्तराखंड में चल रही अन्य परियोजनाओं की सर्वे रिपोर्ट को एक बार फिर से कंगाल जाए तो न जाने कितनी ही अनियमितताएं अभी और सामने आ सकती हैं। दावा किया जा रहा है की डीपीआर में शामिल जिओ रिपोर्ट में जो कुछ कहा गया है निर्माण के दौरान वह नजर नहीं आया है। टनल के निर्माण के समय अब मिट्टी आ रही है जो सुरंग की गुणवत्ता एवं मजबूती पर भी सवाल खड़े कर सकती है। यदि यह बातें बाकी सत्य है तो इसे काफी गंभीरता से सरकार को लेना चाहिए। पूर्व में टनल के निर्माण को लेकर बनाई गई रिपोर्ट अब पुनः अवलोकन करते हुए ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए जिन्होंने आधी अधूरी रिपोर्ट बनाई जिसके कारण 41 लोगों की जिंदगी और करोड़ों रुपए दाव पर लग गए। उत्तराखंड में तमाम जगहों पर कई परियोजना में चलाई जा रही है जिनमें अधिकांश निर्माण कार्य नदियों व पहाड़ों को काटकर किया जा रहे हैं। शुरुआत से ही पर्यावरणविद् ऐसी परियोजनाओं का विरोध करते आ रहे हैं लेकिन विकास के नाम पर जो कुछ उत्तराखंड में हो रहा है वह कहीं ना कहीं किसी न किसी रूप में विनाश का कारण भी बन रहा है। सरकार को तमाम ऐसी परियोजनाओं का पुर्ननिरीक्षण करना चाहिए जो विषम भौगोलिक स्थान पर बनाई जा रही हैं।

सिल्क्यारा सुरंग दुर्घटना के सबक

अजीत द्विवेदी

उत्तराखंड के उत्तरकाशी की सिल्क्यारा की निर्माणाधीन सुरंग में हुए दुखद हादसे का अंत सुखद रहा है। सुरंग में फंसे सभी 41 मजदूरों को 17वें दिन सकुशल निकाल लिया गया। लेकिन इस घटना से कुछ सवाल खड़े हुए हैं और कुछ सबक भी मिले हैं, जिन पर सरकारों के साथ साथ इस तरह के सामरिक व रणनीतिक रूप से अहम और बेहद संवेदनशील काम करने वाली निजी कंपनियों को भी ध्यान देना चाहिए। इस हादसे के बाद एक अच्छी बात यह भी हुई है कि केंद्रीय सडक़ परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने देश के अलग अलग हिस्सों में बन रही इस तरह की 19 सुरंगों के कामकाज की समीक्षा करने का फैसला किया है। अगर इससे सबक लेकर मंत्रालय यह सुनिश्चित करता है कि किसी दूसरी निर्माणाधीन सुरंग में इस तरह का हादसा नहीं होगा तो यह माना जाएगा कि सिल्क्यारा सुरंग में 41 मजदूरों की जिंदगियों का दांव पर लगना सार्थक साबित हुआ। दूसरे, इस मामले में सुरंग बनाने वाली निजी कंपनी को जिम्मेदार ठहराना, उस पर आरोप लगाना, उसे सजा देने की मांग करना, उससे जुर्माना वसूलने की सलाह देना भी एक किस्म का राजनीतिक नैरेटिव है, जिससे बचना चाहिए।

सबको पता है कि इस तरह की सुरंग पहाड़ी इलाकों में बनाई जाती हैं। उत्तराखंड से लेकर हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर तक और उधर पूर्वोत्तर के राज्यों में ऐसी सुरंगें बनाई जाती हैं और इनका निर्माण निजी कंपनियां ही करती हैं। इन सुरंगों के निर्माण के एक साथ कई मकसद होते हैं। एक मकसद तो लोगों के लिए आवाजाही की सुविधा उपलब्ध कराना है लेकिन साथ ही इसका बड़ा सामरिक व रणनीतिक महत्व होता है। संवेदनशील सीमावर्ती इलाकों में, जहां चीन और पाकिस्तान दोनों की तरफ से सुरक्षा खतरा बना हुआ है, वहां इन सुरंगों से हर मौसम में निर्बाध परिवहन सुनिश्चित होता है। कमजोर होते पहाड़ों में इस तरह की सुरंगों का निर्माण हमेशा जोखिम का काम होता है। इसलिए सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने की मांग जरूर होनी चाहिए और साथ ही पर्यावरण विशेषज्ञों की राय लेने और उन्हें अनिवार्य रूप से मानने की बात भी भी होनी चाहिए लेकिन सुरंग बनाने वाली कंपनियों को सजा देने की मांग उचित नहीं है।

आखिर सुरंग बना रही निजी कंपनी ने ही दिल्ली की एक निजी कंपनी के सम्पर्क किया और एक दर्जन रैट माइनर्स बुलाए, जिन्होंने सिर्फ 21 घंटे में आखिरी 12 मीटर की मैनुअल खुदाई कर दी और मजदूरों को बाहर निकाल लिया। इसलिए यह ध्यान रखने की जरूरत है कि कमजोर या कच्चे पहाड़ या इंसानी अतिक्रमण का शिकार हुए पहाड़ों में इस तरह की परियोजनाओं के साथ ऐसी दुर्घटनाएं होंगी। जरूरत इस बात की है कि उन्हें कैसे रोका जाए और हादसे के बाद जान–माल का नुकसान कैसे कम से कम हो यह सुनिश्चित किया जाए। सुरंग का निर्माण कर रही कंपनी और सरकार के ऊपर इस बात का दबाव जरूर बनना चाहिए कि वह मजदूरों को पर्याप्त मुआवजा दे। मजदूर और उनके परिजन जिस सदमे में थे और उन्होंने जो तनाव झेला है उसकी भरपाई निश्चित रूप से की जानी चाहिए। इस मामले में चिली की 2010 की घटना से सबक लिया जा सकता है, जिसमें एक अमेरिकी कंपनी के लिए काम कर रहे मजदूर कॉपर की खदान में फंस गए थे। निकलने के बाद उन सबको बड़ा मुआवजा मिला था। कई मजदूरों को तो जीवन भर पेंशन की व्यवस्था हुई थी।

बहरहाल, सिल्क्यारा सुरंग के हादसे ने एक चीज और प्रमाणित की है कि संकट के समय पूरा देश और सारी एजेंसियां एक हो जाती हैं। संकट के समय ही देश और समाज का वास्तविक चरित्र सामने आता है। दिवाली के दिन सुबह हुए इस हादसे के बाद जिस तरह से केंद्र व राज्य की सारी एजेंसियों ने मिल कर काम किया वह काबिले तारीफ है। इससे यह साबित हुआ कि अगर आपदा प्रबंधन की सारी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाए तो किसी भी संकट में जान–माल के नुकसान को रोका जा सकता है या कम किया जा सकता है। सिल्क्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण यानी एनडीएमए, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण यानी एसडीएमए, बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन यानी बीआरओ, इंडो तिब्बत बॉर्डर पुलिस यानी आईटीबीपी, नेशनल हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड यानी एनएचआईडीसीएल और अंत में भारतीय सेना ने बेहतरीन तालमेल के साथ काम किया। केंद्र और राज्य सरकार ने निरंतर निगरानी रखी और जब जिस मशीन की जरूरत हुई उसे दश के अलग अलग राज्यों से विशेष विमान के जरिए लाकर घटनास्थल तक पहुंचाया गया।

ध्यान रहे चिली से लेकर चीन और अमेरिका से लेकर थाईलैंड तक इस तरह की दुर्घटनाएं हुई हैं और कई जगह फंसे हुए मजदूरों को निकालने में महीनों लगे हैं। चिली में 2010 में एक अमेरिकी कॉपर कंपनी की खदान में 33 मजदूर फंसे थे और उन्हें सुरक्षित निकालने में 69 दिन का समय लगा था। सबसे ताजा मामला थाईलैंड का है, जहां 2018 में एसोसिएशन फुटबॉल टीम के 12 बच्चे और उनके कोच एक सुरंग में फंस गए थे। उन्हें निकालने में 10 हजार लोगों की टीम लगी थी, जिसमें 90 गोताखोर थे। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया से लेकर चीन, रूस, ब्रिटेन आदि देशों के सुरंग और राहत व बचाव कार्य के विशेषज्ञ घटनास्थल पर पहुंचे थे और 18 दिन के अथक प्रयास के बाद सबको सुरक्षित बाहर निकाला गया था। ऐसे ही सिल्क्यारा सुरंग हादसे के बाद भी दुनिया भर के विशेषज्ञ घटनास्थल पर पहुंचे, सारी एजेंसियों ने एक होकर बचाव के लिए काम किया, आम लोगों और स्थानीय प्रशासन का पूरा सहयोग इस प्रक्रिया में रहा और अंत में 17 दिन की मेहनत रंग लाई।

इस घटना का एक सबक यह है कि सरकार सभी निर्माणाधीन सुरंगों की सुरक्षा की समीक्षा करा रही है। इस सबक को ज्यादा गंभीरता से लेने की जरूरत है। सिर्फ निर्माणाधीन सुरंगों की सुरक्षा की समीक्षा पर्याप्त नहीं होगी। इस तरह की जितनी भी परियोजनाएं हैं, जो पर्यावरण के लिहाज से संवेदनशील इलाकों में चल रही हैं उन सबकी समीक्षा करने की जरूरत है। सिल्क्यारा सुंरग हादसे के बाद मदद के लिए पहुंचे ऑस्ट्रेलिया के सुरंग विशेषज्ञ आनील्ड डिक्स ने बहुत भावुक होकर एक मौके पर कहा कि 'हम पहाड़ से अपने बच्चे मांग रहे हैं'। पहाड़ विशालता और उदारता का प्रतीक होते हैं। इसलिए डिक्स पहाड़ से अपने बच्चे लौटा देने की अपील कर रहे थे। सरकारों और तमाम निर्माण एजेंसियों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि पहाड़ या प्रकृति हमेशा ऐसी उदारता नहीं दिखाएंगे।

आयात आंकड़ों का अंतर

साल 2016 में अंतरराष्ट्रीय संस्था ग्लोबल फाइनेंशियल इंटेग्रिटी की रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत में टैक्स बचाने के लिए अंडर इनवॉयसिंग बड़े पैमाने पर होती है। जीएफआई ने अंडर इनवॉयसिंग और ओवर इनवॉयसिंग को काला धन का एक प्रमुख स्रोत बताया था।

चीन से होने वाले आयात में कथित घपले का अंदेशा गहरा गया है। यह अंदेशा बीते कई वर्षों से जारी है। मुद्दा यह है कि चीन के सरकारी आंकड़ों में भारत को हुए निर्यात की जो मात्रा बताई जाती है, वह भारत सरकार के आयात आंकड़ों से काफी ज्यादा है। 2022 की तुलना में 2023 के पहले दस महीनों के जो आंकड़े हैं, उनमें यह अंतर और बढ़ गया है। पिछले साल के जनवरी–अक्टूबर के चीनी आंकड़ों के अनुसार भारत को 99.29 बिलियन डॉलर का निर्यात हुआ। जबकि भारतीय आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि में हुआ सिर्फ 86.54 बिलियन डॉलर का आयात हुआ। इस वर्ष चीनी आंकड़ों में ये संख्या 97.97 बिलियन डॉलर है। भारतीय आंकड़ों में यह 82.5 बिलियन डॉलर है। मतलब पिछले साल अंतर 12.75 बिलियन डॉलर का था। इस वर्ष यह 15.47 बिलियन डॉलर हो गया है। तो यह राज़ क्या है? तीन ही बातें हो सकती हैं– या तो चीन में ओवर इन्वॉयसिंग (असल निर्यात से अधिक की बिलिंग) हुई या फिर भारत में अंडर इनवॉयसिंग (वास्तविक आयात से कम की बिलिंग) हुई। या फिर दोनों सरकारी आंकड़े सही हैं, खेल आयातकों ने किया।

चीन से होने वाले आयात में कथित घपले का अंदेशा गहरा गया है। यह अंदेशा बीते कई वर्षों से जारी है। मुद्दा यह है कि चीन के सरकारी आंकड़ों में भारत को हुए निर्यात की जो मात्रा बताई जाती है, वह भारत सरकार के आयात आंकड़ों से काफी ज्यादा है। 2022 की तुलना में 2023 के पहले दस महीनों के जो आंकड़े हैं, उनमें यह अंतर और बढ़ गया है। पिछले साल के जनवरी–अक्टूबर के चीनी आंकड़ों के अनुसार भारत को 99.29 बिलियन डॉलर का निर्यात हुआ। जबकि भारतीय आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि में हुआ सिर्फ 86.54 बिलियन डॉलर का आयात हुआ। इस वर्ष चीनी आंकड़ों में ये संख्या 97.97 बिलियन डॉलर है।

आयात शुल्क बचाने के लिए वास्तविक से कम आयात दिखाया गया। यह पुराना चलन है। 2016 में अंतरराष्ट्रीय संस्था ग्लोबल फाइनेंशियल इंटेग्रिटी (जीएफआई) की रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत में टैक्स बचाने के लिए अंडर इनवॉयसिंग बड़े पैमाने पर होती है। उस वर्ष सिर्फ पांच उत्पादों के आयात में 1.8 बिलियन डॉलर की कर चोरी का अंदाजा उस संस्था ने लगाया था। उसके पहले जीएफआई की रिपोर्टों की कई रिपोर्टों में अंडर इनवॉयसिंग और ओवर इनवॉयसिंग को काला धन का एक प्रमुख स्रोत बताया गया था। इसीलिए आयात संबंधी चीन और भारत सरकारों के आंकड़ों के बीच जो फर्क है, उसकी गंभीर जांच की जरूरत महसूस होती है।

जम्मू–कश्मीर के पुलवामा में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता: मुठभेड़ में एक आतंकी ढेर

श्रीनगर ,(एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के अरिहाल गांव में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि मुठभेड़ में एक आतंकवादी को मार गिराया गया है। तलाशी अभियान जारी है।

पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम को उस इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद गुरुवार को गोलीबारी शुरू हो गई। सुरक्षा बलों ने इलाके को घेरने के बाद वहां छिपे आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, इसके बाद सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। हाल के दिनों में पूरे कश्मीर में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच सिलसिलेवार मुठभेड़ हुई हैं, इसमें कई आतंकवादियों का सफाया किया गया है।

सीएम मान का पंजाब के किसानों को बड़ा तोहफा, गन्ने के दामों में हुई बढ़ोतरी

चंडीगढ़ ,(एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पंजाब के किसानों को बड़ी राहत दी है। मुख्यमंत्री ने 2023–24 के लिए गन्ने की कीमत में लगभग 11 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी को हरी झंडी दे दी है। पंजाब सरकार ने पिछले दिनों किसान संगठनों के साथ बैठक की और उसके बाद गन्ना मिल मालिकों के साथ गन्ने की कीमत में बढ़ोतरी के मुद्दे पर चर्चा की।इस संबंध में मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर लिखा है– पंजाब में 11 रुपये का शुभ शगुन हैज् आज पंजाब के गन्ना किसानों के लिए 11 रुपये की कीमत बढ़ाकर शुभ संकेत दिया गया है, पंजाब में गन्ने का रेट अब 391 रुपये देश के बाकी हिस्सों से सबसे ज्यादा है। आने वाले दिनों में सभी वर्ग के पंजाबियों को खुशखबरी मिलेगी..आपका पैसा आपका नाम..

गन्ने की कीमत अब 380 रुपये से बढ़कर 391 रुपये होने की संभावना है जो पूरे देश में सबसे ज्यादा होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने नागालैंड के स्थापना दिवस पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागालैंड के स्थापना दिवस पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए नागालैंड के विकास और राज्य की सफलता की यात्रा के सुदृढ़ होने की कामना की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागालैंड के स्थापना दिवस पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए शुक्रवार को एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट कर कहा, नागालैंड के लोगों को राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं। राज्य के आकर्षक इतिहास, रंग–बिरंगे त्योहारों और सौहार्दपूर्ण लोगों की बहुत प्रशंसा की जाती है। यह दिन नागालैंड की विकास और सफलता की यात्रा को सुदृढ़ करे।

बिहार में अवैध मस्जिद व मदरसों पर तत्काल रोक लगाएं नीतीश कुमार : गिरिराज सिंह

पटना ,(एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार में अवैध मस्जिद और मदरसों की तेजी से बढ़ रही संख्या को बिहार और देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा बताते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से इन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।सिंह ने कहा कि बिहार में अवैध मस्जिद और अवैध मदरसों की बाढ़ हो गई है। बिहार के सीमावर्ती क्षेत्रों में तो हालात और ज्यादा खराब हो गए हैं और इनकी वजह से केवल बिहार ही नहीं बल्कि पूरे देश की आंतरिक सुरक्षा को भी खतरा पैदा हो गया है और पीएफआई भी वहां सक्रिय है।केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि बिहार में मुसलमानों की आबादी 18 प्रतिशत है इसलिए इन अवैध मस्जिदों और मदरसों को तत्काल बंद करने के साथ ही वैध मदरसों में भी विज्ञान की पढ़ाई शुरू करवानी चाहिए और प्रगतिशील शिक्षा देनी चाहिए।

आधे घंटे का संघर्ष विराम और फिर लाशों का ढेर, गाजा पर इजरायली हमलों में 32 की मौत

यरुशलेम, एजेंसी। गाजा पट्टी पर शुक्रवार सुबह इजरायल की सेना के हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 32 हो गई है। एन्क्लेव के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इससे पहले दिन में अल अरबिया ब्रॉडकास्टर ने फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय का हवाला देते हुए बताया कि इजरायली हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि संघर्ष विराम की समाप्ति के तीन घंटे के भीतर इजरायली कब्जे के नरसंहार के पीड़ितों की संख्या बढ़कर 32 हो गई। इनमें कई लोगों को अलग–अलग स्तर की चोटें लगीं।

मृत और घायल लोगों में अधिकांश महिलायें और बच्चे शामिल हैं। इससे पहले दिन में, इजरायल रक्षा बलों ने कहा कि हमास ने मानवीय विराम तोड़ दिया, जिससे इज़राइल को युद्ध फिर से शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ा। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने गुरुवार देर रात रिपोर्ट दी कि दोनों पक्ष अस्थायी मानवीय विराम को आठवें दिन तक बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। इसकी

हालांकि, अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इजरायल और हमास के बीच एक सप्ताह के संघर्ष विराम की अवधि समाप्त होने के तुरंत बाद शुक्रवार को इजरायली लड़ाकू विमानों ने गाजा को फिर से निशाना बनाते हुए पूरी ताकत के साथ हमला शुरू शुरू किया। इजरायल के हवाई हमलों दक्षिण गाजा पर हमला किया, जिसमें खान यूनिस शहर के पूर्व में अबासन समुदाय रहते हैं।इजरायल के एक अन्य हवाई हमले ने गाजा शहर के उत्तर–पश्चिम में एक घर को निशाना बनाया। दक्षिण गाजा पट्टी में लगातार विस्फोटों की आवाज़ सुनायी दी गई और क्षेत्र से काला धुएं का गुब्बार निकलता दिखाई दिया। इजरायल में भी गाजा से सटे तीन इलाकों में सायरन की आवाज सुनी गई और रॉकेट हमले की चेतावनी दी गयी। इलाके के लोगों को चेतावनी दी गयी कि कि हमास ने भी अपने हमले फिर से शुरू कर दिए हैं। इजरायली सेना की नए सिरे से हमलों की घोषणा और एक सप्ताह से अस्थायी संघर्ष विराम आज सुबह सात बजे समाप्त होने के केवल आधे घंटे के बाद इजरायल ने गाजा पर हमले शुरू कर दिए।दोनों पक्षों की ओर से 24 नवंबर को संघर्ष विराम की अवधि शुरू हुयी थी और आज सुबह सात बजे यह अवधि समाप्त हो गई थी। गाजा की 23 लाख की अधिकांश आबादी अब दक्षिण गाजा में फंस गई है और वहां से निकलने के लिए रास्ते तलाश रहे हैं। इससे पहले इजरायल की सेना ने अपने शुरुआती बमबारी के दौरान हजारों लोगों को उत्तरी गाजा को खाली करने का निर्देश दिए थे। इजरायल और गाजा के बीच सात अक्तूबर को युद्ध शुरू होने के बाद से अबतक 16,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। इजरायल की ओर से जवाबी कार्रवाई में छह हजार से अधिक बच्चों सहित कम से कम 15,000 फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

अमित शाह व खडगे ने 59वें स्थापना दिवस पर बीएसएफ को बधाई दी

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने शुक्रवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 59वें स्थापना दिवस पर जवानों को बधाई दी।

एक्स पर एक पोस्ट में, शाह ने कहाः मैं बीएसएफ के 59वें स्थापना दिवस पर बल के सभी सैनिकों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं देता हूं। देश को बीएसएफ पर गर्व है जो अपनी बहादुरी से हमारे देश की सीमाओं को अभेद्य रखता है।शाह ने कहा, मैं बीएसएफ के वीर शहीदों को सलाम करता हूं, देश आपके बलिदान का हमेशा ऋणी रहेगा।शाह शुक्रवार को झारखंड के हजारीबाग में आयोजित 59वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे।सीमा बल का सबसे पुराना प्रशिक्षण केंद्र हज़ारीबाग़ के मेरू में स्थित है जहां पहली बार समारोह आयोजित किया जाएगा।एक्स पर एक पोस्ट में, खडगे ने कहाः सीमा सुरक्षा बल के महिला और पुरुष कर्मियों को हमारा सलाम और आभार, जो रक्षा की पहली पंक्ति के रूप में देश की सीमाओं की रक्षा करने के 58 साल पूरे होने का जश्न मनाता है।

एक ई-मेल ने दहशत में डाल दिया इतना बड़ा राज्य, 15 स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु शहर के विभिन्न इलाकों में कम से कम 15 स्कूलों को शुक्रवार को गुमनाम ईमेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई।

ईमेल में लिखा गया कि स्कूलों में बम लगाए गए हैं, जिससे छात्रों, अभिभावकों और स्कूल अधिकारियों के बीच दहशत फैल गई, जिसके परिणामस्वरूप स्कूल प्रबंधन ने एहतियात के तौर पर परिसर को खाली करा लिया। बेंगलुरु पुलिस धमकी प्राप्त स्कूलों से मिली सूचना के आधार पर हरकत में आई और यह पता लगाने के लिए तत्काल तलाशी अभियान शुरू किया कि क्या विस्फोटक स्कूल परिसर में लगाए गए थे।

बेंगलुरु पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने कहा कि फिलहाल ये ईमेल अफवाह लग रहे हैं और उन्होंने अभिभावकों से अपील किया घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष भी एक शरारती तत्व ने शहर के कई स्कूलों को इसी तरह के ईमेल भेजे थे। धमकी भरे ईमेल की

जांच करने पर, पुलिस को पता चला कि इसके पीछे तमिलनाडु के एक नाबालिग का हाथ है, जिसने इंटरनेट प्रोटोकॉल (आईपी) पते को छिपाने के लिए एक कार्यक्रम बनाकर ईमेल भेजने के लिए उसी एप्लिकेशन का उपयोग किया था।

नीवा स्कूल सोशल मीडिया पर संदेश पोस्ट करने वाले कई स्कूलों में से पहला था। स्कूल ने कहा कि हम शुक्रवार को स्कूलों में एक अप्रत्याशित स्थिति का सामना कर रहे हैं। स्कूल को अज्ञात स्रोतों से सुरक्षा की धमकी मिली है। चूंकि हम अपने स्कूली बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं, इसलिए हमने छात्रों को तुरंत परिसर से बाहर करने का फैसला किया है।

इसने कहा कि बम दस्ते की सलाह के अनुसार बच्चों को घर भेजा जा रहा है। हम खतरे का मूल्यांकन कर रहे हैं और सुरक्षा के मद्देनजर बच्चों को घर भेज रहे हैं।

7 दिन बाद जिंदगी की जंग जीत घर लौटा विशाल, भावुक हो उठा पूरा गांव, मां ने गले लगाया

रिवालसर, एजेंसी। पहाड़ जैसा हौसला रख उत्तराखंड की सिलक्यारा सुरंग में 17 दिन बाद जिंदगी की जंग जीतकर मंडी जिला के बल्ह क्षेत्र के डहणू गांव का विशाल शुक्रवार को अपने पिता के साथ अपने घर सकुशल पहुंच गया। विशाल के घर पंहुचने पर परिजनों के साथ बड़ी संख्या में रिश्तेदारों व ग्रामीणों ने बैंडबाजे व फूलमालाओं के साथ उसका भव्य स्वागत किया। मां उर्मिला ने अपने लाल की आरती उतारी और उसे गले लगाया। अपने लाल को गले लगाने के दौरान मां की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े, वहीं दादी व चाची ने फूलमाला पहनाकर विशाल को अपनी पलकों पर बिठाया।

विशाल के माता–पिता, दादी सहित अन्य परिजन इस दौरान कई बार भावुक हुए। इस मौके पर बल्ह के विधायक इंद्र सिंह गांधी व क्षेत्र के कई गणमान्य लोगों ने परिजनों की खुशी में शामिल होते हुए विशाल के हौंसले पर उसकी दाद दी। बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने विशाल के घर पहुंच कर खूब जश्न मनाया गया तथा भगवान का शुक्र मनाते हुए सही सलामत लौटने की बधाई दी। विशाल के पिता धर्म सिंह ने बताया अस्पताल प्रशासन द्वारा गहन स्वास्थ्य जांच के बाद विशाल को गुरुवार को छुट्टी दे दी गई थी।

उत्तराखंड सरकार ने विशाल के लिए गाड़ी करके हिमाचल के प्रवेश द्वार पांवटा साहिब तक पहुंचाने के आदेश जारी कर सिरमौर जिला प्रशासन को सौंपने को कहा था। वहां से घर तक लाने के लिए जिला प्रशासन डीसी मंडी की ओर से टैक्सी की व्यवस्था की गई।

विशाल के घर आने पर सभी सभी स्वजनों ने खुशी जाहिर की है। विशाल की मां उर्मिला देवी ने बताया की भगवान, कुल देवता बाढ़ू बाडा व देव कमरूनाग की कृपा से विशाल जिंदगी की जंग जीत कर मौत के मुंह से वापस आया है। विशाल के लिए मांगी मन्नत पूरी होने पर स्वजन अब देव बाढ़ू बाडा को घर बुलाकर धाम का आयोजन करेंगे।

कर्ज चुकाने वाले बच जाएंगे, बैंक फंस जाएंगे, देश में हुआ सबसे बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंकों से कर्ज लेने वाले ग्राहकों के लिए एक खुशखबरी है। आरबीआई ने जो नियम तय किए हैं, उसमें कर्ज देने वाले बैंकों के लिए बड़ा झटका है।

दरअसल, पहली दिसंबर से देश में कई नए बदलाव हुए हैं, जिनमें एक बदलाव बैंकों द्वारा दिए गए कर्ज से जुड़ा हुआ है। इस बदलाव में हालांकि कर्जदारों के लिए तो राहत है, लेकिन कर्ज देने वाले बैंकों के लिए एक तरह से झटका भी है।

जानकारी के अनुसार आरबीआई का नया नियम कहता है अगर किसी भी व्यक्ति ने बैंक से कर्ज लिया है और उसकी पूरी पेमेंट कर दी है, लेकिन कर्ज के दौरान आपने जो डाक्यूमेंट्स या दस्तावेज बैंक में जमा करवाए थे, अगर उन्हें पूरा लोन चुकाने के बाद भी बैंक देने में मना करता है, तो संबंधित बैंक पर जुर्माना लगाया जाएगा। यह जुर्माना हर महीने बढ़ता जाएगा। यानी कि बैंक को प्रतिमाह 5000 रुपए जुर्माना अदा करना होगा। यह नया नियम पहली दिसंबर, 2023 से लागू हो गया है। आरबीआई इस संबंध में पहले ही बता चुका है।

केरल में मृत पाई गई इजरायली महिला, साथी अस्पताल में भर्ती

तिरुवनंतपुरम ,(एजेंसी)। केरल में 36 वर्षीय एक इजरायली महिला चाकू से घावों के साथ मृत पाई गई, जबकि उसका 70 वर्षीय केरलवासी साथी कृष्णप्रसाद अस्पताल में भर्ती है। पुलिस ने यह जानकारी दी।दोनों एक दशक से अधिक समय से एक साथ रह रहे थे।पहली बार उनकी मुलाकात उत्तर भारत के एक शहर में हुई थी और बाद में वे यहां से लगभग 70 किलोमीटर दूर केरल के कोल्लम में अपने पैतृक शहर चले गए। पुलिस के मुताबिक योग प्रशिक्षक शख्स त्वचा की गंभीर बीमारी से पीड़ित था और दोनों ने अपनी जिंदगी खत्म करने का फैसला किया।

दक्षिण अफ्रीका दौरे पर भारत के तीन कप्तान, सूर्यकुमार टी–20, लोकेश वनडे, रोहित, टेस्ट टीम के कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। दस दिसंबर से शुरू होने जा रहे भारत के साउथ अफ्रीकी दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो गया। राष्ट्रीय राजधानी में चयनकर्ताओं की बैठक में तीन टी–20, तीन वनडे और दो टेस्ट मैच के लिए टीम चुनी गई।

रोहित शर्मा और विराट कोहली ने व्हाइट बॉल फॉर्मेट से ब्रेक की मांग की थी। इसलिए दोनों को वनडे और टी–20 में आराम दिया गया है। दोनों टेस्ट सीरीज में टीम के साथ जड़ेंगे। केएल राहुल को वनडे, तो सूर्यकुमार यादव को टी–20 की कप्तानी मिली है।

मोहम्मद शमी फिलहाल चिकित्सा उपचार से गुजर रहे हैं और उनकी उपलब्धता फिटनेस पर निर्भर है। दौरे का आगाज टी–20 सीरीज से होगा। इसके बाद 17 दिसंबर से वनडे सीरीज का आगाज होगा। दो मैच की टेस्ट सीरीज का आगाज 26 दिसंबर से सेंचुरियन में होगा। इसके बाद दूसरा टेस्ट नए साल यानी 2024 में तीन जनवरी से केपटाउन में खेला जाएगा।

संजू सैमसन को भारतीय वनडे टीम में चुना गया। चोट से उबरे रजत पाटीदार को भारतीय वनडे टीम में जगह मिली है। सूर्यकुमार यादव को भारतीय वनडे टीम से आराम दिया गया है, क्योंकि वह लगातार क्रिकेट खेल रहे हैं। श्रेयस अय्यर की भारतीय टेस्ट टीम में वापसी हो गई है। अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा को जगह नहीं मिली है, जबकि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, शार्दुल ठाकुर, रविंद्र जडेजा और आर अश्विन की जगह बनी है। कुलदीप यादव को भारतीय टी–20 टीम में चुना गया।

ट्वेंटी–20 टीम – यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, रुतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा, रविंद्र जडेजा (उपकप्तान), वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, दीपक चाहर।

वनडे टीम – ऋतुराज गायकवाड़, साई सुदर्शन, तिलक वर्मा, रजत पाटीदार, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (कप्तान और विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, मुकेश कुमार, आवेश खान, अर्शदीप सिंह, दीपक चाहर।

टेस्ट टीम– रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर,ऋतुराज गायकवाड़, ईशान किशन (विकेटकीपर), केएल राहुल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), प्रसिद्ध कृष्णा।

साउथ अफ्रीका दौरे पर नहीं मिली है रहाणे और पुजारा को जगह

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका दौरे के लिए बीसीसीआई ने भारतीय टीम का एलान कर दिया है। दो टेस्ट मैचों के लिए चुनी गई टीम में चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे को शामिल नहीं किया गया है। रुतुराज गायकवाड़, यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर जैसे युवा प्लेयर्स को टेस्ट टीम में मौका दिया गया है।

साउथ अफ्रीका दौरे पर नहीं चुने जाने के बाद पुजारा–रहाणे के टेस्ट करियर पर बड़ा संकट भी खड़ा हो गया है। माना जा रहा है कि सेलेक्टर्स अब रहाणे–पुजारा से आगे देखना चाहते हैं और इसी वजह से इस बार युवा प्लेयर्स को आजमाया गया है।

टेस्ट टीम में भारतीय टीम की दीवार कहे जाने वाले चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे को साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम में नहीं चुना गया है। पुजारा–रहाणे काफी लंबे समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। साल 2023 में पुजारा ने खेली 8 पारियों में से सिर्फ एक में ही पचास का आंकड़ा पार किया है। वहीं, रहाणे की भी यही कहानी रही है। रहाणे के लिए टेस्ट क्रिकेट में पिछले दो साल काफी निराशाजनक रहे हैं।माना जा रहा है कि भारतीय सेलेक्टर्स ने रहाणे और पुजारा से आगे देखना शुरू कर दिया है। पुजारा के रिप्लेसमेंट के तौर पर सेलेक्टर्स यशस्वी जायसवाल और रुतुराज गायकवाड़ को आजमाना चाहते हैं और इसी वजह से साउथ अफ्रीका दौरे पर दोनों को टीम में चुना गया है।

हार के बाद रोए थे रोहित शर्मा–विराट, भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने खोले ड्रेसिंग रूम के राज़

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अहमदाबाद में विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भारत की हार के बाद भारतीय ड्रेसिंग रूम में माहौल का खुलासा किया। पूरे टूर्नामेंट में कप्तान रोहित शर्मा की कप्तानी की भी सराहना की। 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हराने के बाद भारतीय प्रशंसकों का दिल टूट गया था। अश्विन ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुब्रमण्यम बद्रीनाथ के साथ उनके यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान खुलासा किया कि सीनियर खिलाड़ी कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली हार के बाद रो रहे थे। अश्विन ने ड्रेसिंग रूम के माहौल के बारे में बताया, हां, हमने दर्द महसूस किया।

रोहित और विराट रो रहे थे। यह देखकर बुरा लगा। वैसे भी, ऐसा होना तय नहीं था। यह टीम एक अनुभवी टीम थी। हर कोई जानता था कि क्या करना है। इन दोनों ने टीम में चैंपियन वाला माहौल बना दिया था। उनहेंने कहा, मैं रोहित को लंबे समय से जानता हूं। उन्होंने जो किया, उससे हमें आत्मविश्वास मिला। मुझे लगता है कि टीम के सभी 11 खिलाडियों ने शानदार विश्व

कप खेला। अश्विन ने रोहित कप्तानी की सराहना की। उन्होंने कहा कि रोहित हर किसी की बड़ी समझ के साथ एक बेहतरीन इनसान हैं। अगर आप भारतीय क्रिकेट को देखें, तो हर कोई आपको बताएगा कि एमएस धोनी सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से एक हैं। रोहित शर्मा एक बेहतरीन इनसान हैं। वह टीम के हर एक व्यक्ति को समझते हैं, वह जानते हैं कि हम में से हर एक को क्या पसंद है और क्या नापसंद है। वह प्रत्येक सदस्य को व्यक्तिगत रूप से जानने का प्रयास करते हैं। टेस्ट टीम में भारतीय टीम की दीवार कहे जाने वाले चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे को साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम में नहीं चुना गया है। पुजारा–रहाणे काफी लंबे समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं।

एबी डिविलियर्स ने किया चौंकाने वाला खुलासा, अपनी पूर्व आईपीएल फ्रेंचाइजी पर लगा दिया बड़ा आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के महान बल्लेबाज में से एक एबी डिविलियर्स ने अपनी पूर्व आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है। डिविलियर्स ने बताया कि 2010 के बाद उन्हें बताया गया था कि 2011 में रिटेन किया जाएगा, लेकिन एक या दो हफ्ते बाद उन्हें पता चला कि उन्हें रिलीज कर दिया गया है।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के पूर्व खिलाड़ी रहे एबी डिविलियर्स को इतिहास के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक माना जाता है। डिविलियर्स ने विराट कोहली के बाद आरसीबी के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। उन्होंने आरसीबी के लिए 2011 से 2021 तक 11 सीजन में 4522 रन बनाए। इससे पहले डिविलियर्स ने दिल्ली के लिए 2008 से 2010 तक तीन सीजन खेले। अब उन्होंने पूर्व आईपीएल फ्रेंचाइजी पर बड़ा आरोप लगाया है।

अपने यूट्यूब चैनल पर एबी डिविलियर्स ने खुलासा किया कि 2010 सीजन के बाद दिल्ली फ्रेंचाइजी के प्रबंधन ने उन्हें बुलाया और बताया कि उन्हें 2011 के आक्शन से पहले टीम में बरकरार रखा

जाएगा। हालांकि, एक या दो हफ्ते बाद उन्हें पता चला कि उन्हें रिलीज कर दिया गया है।

डिविलियर्स ने कहा, जब मैं 2010 सीजन में खेला था, तो मुझे ऑफिस में बुलाया गया और कहा गया कि तुम्हें रिटेन किया जाएगा। मैं उस मीटिंग में डेविड वार्नर के साथ बैठा था। एक या दो सप्ताह बाद जब मुझे एहसास हुआ कि मुझे रिलीज कर दिया गया है तो यह मेरे लिए बहुत बड़ा आश्चर्य था।

डिविलियर्स ने खुलासा किया कि यह उनके लिए बहुत बड़ा झटका था क्योंकि उनके मन में कई तरह की शंकाएं घर कर गईं। हालांकि, उन्होंने खुलासा किया कि एक बार जब उन्हें आईपीएल 2011 के आक्शन में आरसीबी ने चुना तो उनका जीवन हमेशा के लिए बदल गया।एबी ने कहा, अपने करियर के बार में अनिश्चित हैं, उस समय 2010 में मुझे लगता है कि मैंने उस आईपीएल सीजन में केवल पांच गेम खेले थे इसलिए मेरे मन में बहुत सारे संदेह पैदा हुए, लेकिन मेरा अंतरराष्ट्रीय सीजन बहुत अच्छा रहा। मैं अच्छा क्रिकेट खेलता रहा और सौभाग्य से नीलामी हुई और मुझे आरसीबी ने खरीद लिया।

पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना, वर्ल्ड कप- 2023 फाइनल की हार की गलतियों से सीखना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड कप 2023 में दमदार प्रदर्शन करने के बावजूद भारतीय टीम ट्रॉफी जीतने से दूर रह गई। भले ही टीम ने अच्छा खेला, लेकिन पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि भारत को उन गलतियों से सीखना होगा, जो 19 नवंबर को वर्ल्ड कप फाइनल में की थीं। उन्होंने ये भी कहा है कि ट्रॉफी न जीत पाना निराशा भरा है। सुनील गावस्कर

ने कहा, अगर भारत आगे बढ़ना चाहता है और ट्रॉफी जीतना चाहता है, तो उसे फाइनल में की गई कुछ गलतियों को स्वीकार करना होगा।

एकजुटता दिखाने की कोशिश करना एक बात है, लेकिन अगर गलतियां स्वीकार नहीं की जाएंगी, तो प्रगति धीमी हो जाएगी। अगले कुछ हफ्तों में अधिकारियों और चयन समिति को बड़े फैसले लेने होंगे। 2007 के बाद भारत का टी–20 विश्व कप न जीत पाना एक बड़ी निराशा है, क्योंकि खिलाड़ियों और युवाओं को आईपीएल में खेलने का फायदा मिल रहा है। भारतीय टीम ने वर्ल्ड कप 2011 में जीता था, चैंपियंस ट्रॉफी 2013 में जीती थी और टी–20 वर्ल्ड कप 2007 में जीता था। इसके बाद से भारत की आईसीसी ट्रॉफी की झोली खाली है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट और अधिकारियों को ये सोचना है कि आखिर कमी कहां रह रही है। गावस्कर ने इस बारे में लिखा, इसमें कोई शक नहीं कि भारत का विश्व कप नहीं जीतना निराशाजनक था, लेकिन अब यह खत्म हो गया है और खेल आगे बढ़ेगा।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com